

योक्त्र पुं. (तत्.) 1. वह रस्सी जिससे बैल गाड़ी के बैल जुएँ से बाँधा जाता है, जोत 2. तराजू के पलड़ों को डण्डी से बाँधी जाने वाली रस्सी।

योग पुं. (तत्.) 1. जोड़ने का कार्य 2. संबंध 3. संयोग 4. युक्ति 5. दो या दो से अधिक वस्तुओं, पदार्थों का मिल कर एक होना 6. सुअवसर 7. ज्यो. विशेष ग्रह योग 8. ग्रहों, नक्षत्रों, राशियों, तिथियों, वारों आदि का विशिष्ट योग 9. अष्टांग योग यम, नियम, आसन प्राणायाम प्रत्याहार, धारणा ध्यान समाधि आदि आठ तरह का योग 10. पतंजलि का चित्तवृत्ति निरोध वाला योग 11. आत्मा और परमात्मा का एकीकरण योग 12. गीता में दार्शनिक योग, भक्ति योग, सांख्य योग, कर्म योग 13. छः आस्तिक दर्शनों में से एक 14. गणि. एक गणितीय प्रक्रिया जिसमें दो संख्याएँ या राशियाँ या व्यंजक परस्पर मिल जाते हैं 15. दो या दो से अधिक राशियों का जोड़, परिणाम 16. आयु. शास्त्रानुसार कुछ वस्तुओं को विशेष क्रियाओं या विधियों से मिलाकर बनाई जाने वाली औषधि।

योगक्षेम पुं. (तत्.) 1. अलब्ध वस्तु की प्राप्ति और लब्ध वस्तु की रक्षा करना 2. दूसरे की धन-संपत्ति की रक्षा करना 3. कुशल-क्षेम 4. कल्याण और सुरक्षा 5. मंगल 6. लाभ 7. राष्ट्र का सुप्रबंध।

योगज वि. (तत्.) 1. योग से उत्पन्न, जो योग से प्राप्त हुआ हो पुं. 2. योग साधन की एक अवस्था 3. अगर लकड़ी।

योगतत्त्व पुं. (तत्.) 1. योग के सिद्धांत 2. एक उपनिषद्।

योगतारा पुं. (तत्.) 1. परस्पर मिले हुए तारे या तारों का एक समूह 2. किसी नक्षत्र का प्रधान तारा।

योगत्रय पुं. (तत्.) 1. कर्मयोग, भक्तियोग और ज्ञानयोग 2. इन तीन योगों का समूह।

योगत्व पुं. (तत्.) योग का भाव।

योगदर्शन पुं. (तत्.) 1. भारतीय आस्तिक छह दर्शनों में से एक जिसमें महर्षि पतंजलि कृत योग सूत्रों का अध्ययन किया जाता है 2. पातंजल दर्शन।

योगदान पुं. (तत्.) 1. योग की दीक्षा देना 2. किसी प्रकार की सहायता के लिए किया गया अंशदान 3. सहयोग, हाथ बँटाना 4. किसी सार्वजनिक कार्य या किसी लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अन्य लोगों के साथ मिलकर या व्यक्तिगत रूप से किया गया विशेष सहयोग या प्रयास।

योगधर्मी पुं. (तत्.) 1. जीवन में योग को धारण करने वाला 2. योगी, योग के नियमों का पालन करने वाला।

योगनिद्रा स्त्री. (तत्.) 1. समाधि-निद्रा 2. योग साधना के अभ्यास से सोने और जागने के मध्य की स्थिति 3. प्रलयांत होने वाली विष्णु की निद्रा 4. योग की समाधि 5. युद्ध-क्षेत्र में वीरों की मृत्यु, दुर्गा का एक नाम।

योगपट्ट पुं. (तत्.) 1. एक अत्यंत प्राचीन परिधान जो पीठ से घुटनों तक होता था तथा कमर में बाँधा जाता था 2. साधुओं का अँचला।

योगपीठ पुं. (तत्.) 1. योग साधना के योग्य आसन 2. देवों का योगासन 3. योग शिक्षा प्रदान किए जाने का संस्थान योग केंद्र।

योगफल पुं. (तत्.) 1. दो अंकों या दो से अधिक संख्याओं या राशियों या व्यंजकों के योग करने से प्राप्त फल 2. जोड़ने से प्राप्त परिणाम फल।

योगफलन पुं. (तत्.) दो या दो से अधिक राशियों के योग से प्राप्त होने वाली एक निश्चित या वांछित राशि जैसे- एक्स = ए+बी 'यहाँ एक्स' या निश्चित राशि योगफलन है।

योगबल पुं. (तत्.) 1. योगसाधना से अर्जित की गई अलौकिक शक्ति 2. योगशक्ति 3. तपोबल।

योगभ्रष्ट वि. (तत्.) 1. वह योगी जिसकी योगसाधना किसी कारण वश पूर्ण न हो पाई हो 2. योगमार्ग